नवभारत

सावंगी अस्पताल में कॉक्लियर इम्प्लांट सेवा

2 कर्णबधिर बालकों पर सफल उपचार, पद्मश्री डा. कीर्तने ने की शल्यक्रिया

■ **वर्धा** ब्यूरो. दोनों कानों से जन्म से ही कर्णबधीर बाल मरीजों पर कॉक्लियर इम्प्लांट शल्यक्रिया कर उनके जीवन में बदलाव लाने का कार्य पद्मश्री डा मिलिंद कीर्तने के मार्गदर्शन में किया गया. सावंगी मेघे स्थित आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण अस्पताल में सफल शल्यक्रिया की गई. जन्म से ही कर्णबधीर दो व चार वर्षीय बालकों को मार्च माह में सावंगी स्थित अस्पताल में भर्ती किया गया था. कान से सुनाई नहीं देने से बालकों की बोलने की क्षमता भी विकसित नहीं हुई थी. परंतु विविध जांच करने के पश्चात कॉक्लियर इम्प्लांट द्वारा इन बच्चों पर उपचार करना संभव होने की बात ध्यान में आने से मुंबई स्थित ब्रीच कैंडी अस्पताल से कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जन डा मिलींद किर्तने को बुलाया गया. उन्होने आजतक 2300 से अधिक काक्लियर इम्प्लोंट सर्जरी की. शल्यक्रिया प्रक्रिया में डा कीर्तने के साथ सावंगी अस्पताल के इएनटी प्रमुख डा प्रसाद देशमुख, प्रा डा श्रद्धा जैन, डा सागर गौलकर, डा चंद्रवीर सिंग, डा आशीष दिसवाल, डा अर्जुन पानीकर, डा आदित्य रंजन, डा अजिंक्य संदभोर, डा वैदेही हांडे, डा मिथिला मुरली, डा मनीषा दास, डा ऐश्वर्या विजयप्पन, डा सेनू सन्नीचन, डा जसलीन कौर, डा आयुषी घोष, डा निमिषा पाटील, डा स्मृति वाधवा, स्पीच थेरपिस्ट किरण कांबले, ऑडिओलॉजिस्ट प्रियता नाईक, महेंद्र

अब सुनना व बोलना हुआ आसान

कॉक्लियर इम्प्लांटेशन उपचार प्राप्त होने से इन बालकों को मौखिक भाषा समझना आसान हुआ है. परिणाम स्वरुप यह बालक अब केवल सुन ही नही सकती तो आगामी ढाई, तीन वर्ष में स्पीच थेरपी से सर्वसामान्य बच्चों की तरह बात भी कर सकेंगे, ऐसा डा प्रसाद देशमुख ने बताया. कॉक्लियर इम्प्लांट शल्यक्रिया में विशेषज्ञों की सेवा व वैद्यकीय सुविधा उपलब्ध करने में दत्ता मेघे आयुर्विज्ञान अभिमत विवि के पूर्व कुलपति डा राजीव बोरले, कुलपति डा ललित वाघमारे, अधिष्ठाता डा अभय गायधने, मुख्य वैद्यकीय अधीक्षक डा चंद्रशेखर महाकालकर, विशेष कार्य अधिकारी डा अभ्युदय मेघे ने सहकार्य किया.

Wardha Edition
16-september-2022 Page No. 4
epaper.enavabharat.com